न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड

ऑनलाइन एजुकेशन अवेयरनेस एवं प्रॉफिट शेयरिंग प्रोग्राम — संपूर्ण प्रस्तुति

1. समय ही पूंजी है

घर, गाड़ी, पैसा और समय—इन चारों में सबसे कीमती अगर कोई चीज़ है तो वह **समय** है। क्योंकि शुरू की तीनों चीज़ों को अगर खो भी दिया जाए तो भी कमा कर प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन अगर समय एक बार खो गया तो वापस नहीं आता—चाहे एक साल, एक महीना, एक हफ्ता, एक दिन, एक घंटा या 1 मिनट ही क्यों ना हो, कभी वापस नहीं आता।

समय जीवन की सबसे कीमती संपत्ति है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप जो अपना कीमती समय इस प्लान को समझने के लिए दे रहे हैं, इसको बहुत ही एकाग्रता (कंसंट्रेशन) से पढ़ें। आपने अगर इस प्लान को बहुत ही ध्यान से पढ़ा तो इस प्लान के खत्म होते-होते आपकी नई शुरुआत हो सकती है और हम और आप अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय को बहुत आनंद और खुशियों के साथ जी सकते हैं।

कंपनी का उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना और बदलती डिजिटल दुनिया के साथ नई जानकारी, नई सोच और आज के नए अवसरों को समझाना है। इस कंपनी का नाम **न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड** है—जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि यह एक **ऑनलाइन एजुकेशन अवेयरनेस प्रोग्राम** है।

2. नेतृत्व, अनुभव एवं कंपनी का परिचय

- **संचालक श्री बीरेंद्र सैनी:** जिन्होंने 10 साल नेटवर्क मार्केटिंग में दिया है और जिन्हें मार्केटिंग का अच्छा अनुभव है।
- **CEO श्री प्रवीण चोपड़ा जी:** न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के CEO श्री प्रवीण चोपड़ा जी को डायरेक्ट मार्केटिंग से संबंधित क्षेत्रों में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है।
- **2006 — डायरेक्ट मार्केटिंग:** जिसमें हजारों लोगों को प्रशिक्षण दिया।
- **2009 — पत्रकारिता यात्रा:** पत्रकारिता यात्रा की शुरुआत हुई।
- **2013 — "प्रॉपर्टी लिंक":** मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जिसमें प्रॉपर्टी से संबंधित समसामयिक जानकारियाँ दी जाती हैं।
- **2015 — "स्वास्थ्य समाचार समय":** मासिक पत्रिका निकाली जो स्वास्थ्य जगत पर आधारित है।
- **2018 — "भारतीय जर्नलिस्ट परिषद" एवं न्यूज़ पोर्टल:** पत्रकारों का एक सशक्त संगठन तैयार करने के उद्देश्य से "भारतीय जर्नलिस्ट परिषद" संगठन की शुरुआत हुई, तथा इसी वर्ष **www.Bjpnews.net** के नाम से न्यूज़ पोर्टल की भी शुरुआत की गई।
- **2021 — त्रैमासिक पत्रिका:** "भारतीय जर्नलिस्ट परिषद न्यूज़" के नाम से त्रैमासिक पत्रिका निकाली गई जिसमें खबरों के साथ-साथ संगठन के 3 महीने की कार्यशैली का विवरण भी प्रकाशित किया जाता है।

- **2026 — नई डिजिटल पहल:** श्री प्रवीण चोपड़ा जी ने न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से अपने विचार रखे।

लीगल एवं पंजीकरण: आज कंपनी के लीगल की बात करें तो भारत सरकार के सभी प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों से पंजीकृत है जैसे— **MCA, ROC, GST, ISO, ISO - EDUCATION, MSME, COPYRIGHT, TRADEMARK, STARTUP INDIA, PAN, BOB A/C, LABOUR REGISTRATION** आदि।

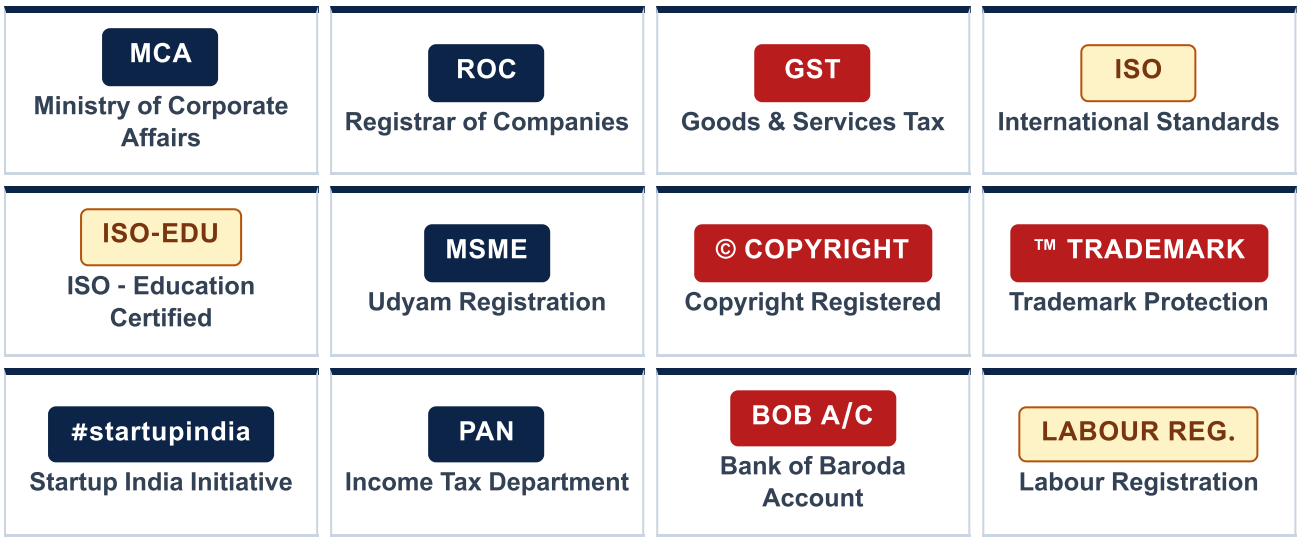

इस कंपनी ने ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से एक ऐसी सुविधा दी है जिससे जुड़े बगैर कोई भी व्यक्ति रह नहीं सकता। एक ऐसा जादुई प्लेटफॉर्म तैयार किया है जिसमें हर व्यक्ति खुद को आगे बढ़ा सकता है, लोगों को आगे बढ़ा सकता है, परिवार को आगे बढ़ा सकता है और जिसमें देश को भी आगे बढ़ाने की असीमित संभावनाएं हैं।

3. भारत में हर दो दशक में हुई प्रमुख क्रांतियाँ

1. **1940 के दशक में —** कृषि क्रांति का दौर था। स्वतंत्रता संग्राम के लिए भी संघर्ष किया जा रहा था।
2. **1960 के दशक में —** औद्योगिक क्रांति का दौर था। इसका एक उदाहरण दिलीप कुमार की फिल्म *"नया दौर"* है जो 1960 के आसपास काफी लोकप्रिय थी। इसमें एक गाना था *"साथी हाथ बढ़ाना एक अकेला थक जाएगा मिलकर बोझ उठाना"*—इस फिल्म में साफ़ देखा जा सकता है कि तेजी से बदलते भारत की तस्वीर औद्योगिक क्रांति के माध्यम से सामने आ रही थी।
3. **1980 के दशक में —** टीवी, दूरदर्शन और धारावाहिकों का दौर था। एशियाई खेलों के साथ कलर टी.वी. का बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार हुआ। रामायण, महाभारत, हम लोग और बुनियाद जैसे धारावाहिकों ने हर घर में पारिवारिक और आध्यात्मिक क्रांति ला दी।
4. **वर्ष 2000 में —** कंप्यूटर और इंटरनेट टेक्नोलॉजी का दौर था। ओरकुट, याहू, हॉटमेल, पेजर, मोबाइल आदि प्रचलन में आ चुके थे। लाखों लोगों ने तेजी से बदलती तकनीक को अपनाया। रिलायंस का स्लोगन था — *"कर लो दुनिया मुट्ठी में"*, जिसने CDMA मोबाइल को सिर्फ ₹500/- में आम लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
5. **वर्ष 2020 में —** ऑनलाइन शिक्षा और ऑनलाइन लेन-देन का दौर आया। इस समय पूरी दुनिया में कोविड-19 का प्रभाव था, पूरी दुनिया लॉकडाउन हो गई, वर्क फ्रॉम होम होने लगे और कई कार्य ऑनलाइन होने लगे थे। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से दुनिया को नई दिशा मिली। मोबाइल, कंप्यूटर, गूगल मीट और वेबिनार जैसे माध्यमों से पढ़ाई और काम करना आसान हुआ।

6. **वर्ष 2026 —** यह बहुत बड़े बदलावों और आधुनिक तकनीक का दौर है। इसमें **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया चैनल, ऑनलाइन पत्रकारिता (स्वतंत्र पत्रकार), पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और रियल एस्टेट** जैसे क्षेत्रों का दौर है। आज के युग में किसी भी व्यक्ति को लाइफ में सरवाइव होने के लिए इन प्लेटफॉर्मों का उपयोग करना व सीखना बहुत-बहुत जरूरी है।

4. शिक्षा के पाँच ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म

न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड ने शिक्षा के पाँच प्लेटफॉर्म तैयार किए हैं। इन पाँच प्लेटफॉर्म को अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में उतार ले तो जीवन से वह अपनी एक बात कहना भूल जाएगा कि वह फेल हो गया। पाँच ऑनलाइन एजुकेशन इस प्रकार हैं:

1. पत्रकारिता ऑनलाइन एजुकेशन

पत्रकारिता आज केवल अखबार और टीवी तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया, YouTube, Facebook और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने स्वतंत्र पत्रकारिता को नई दिशा दी है। लेकिन जानकारी के अभाव में गलतियाँ भी होती हैं। पत्रकारिता की प्रारंभिक शिक्षा व्यक्ति को तथ्य, भाषा, प्रस्तुति और जिम्मेदारी समझाती है, जिससे वह अपनी बात प्रभावी और जिम्मेदारी से समाज तक पहुंचा सके।

2. AI ऑनलाइन एजुकेशन

AI ने आज काम करने और सीखने का तरीका बदल दिया है। लेखन, जानकारी जुटाने, डिजाइन, वीडियो, शिक्षा, व्यवसाय और रोजमर्रा के अनेक कार्य पहले की तुलना में आसान और तेज हुए हैं। AI की सही शिक्षा व्यक्ति को तकनीक का समझदारी से उपयोग करना सिखाती है, समय बचाती है और बदलती दुनिया के साथ आगे बढ़ने की क्षमता देती है।

3. डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन एजुकेशन

डिजिटल मार्केटिंग ने व्यापार और प्रचार की दुनिया में बड़ी क्रांति ला दी है। आज मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से छोटे से छोटा व्यवसाय भी बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच सकता है। इसकी शिक्षा व्यक्ति को सोशल मीडिया, विज्ञापन, ग्राहक संपर्क और ऑनलाइन प्रचार समझाती है, जिससे वह अपने व्यवसाय, सेवा या व्यक्तिगत पहचान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सके।

4. पर्सनालिटी डेवलपमेंट ऑनलाइन एजुकेशन

व्यक्ति की सफलता केवल उसकी योग्यता पर नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व और व्यवहार पर भी निर्भर करती है। पर्सनालिटी डेवलपमेंट शिक्षा व्यक्ति को आत्मविश्वास, संवाद-कौशल, सकारात्मक सोच, समय का सदुपयोग और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने की कला सिखाती है। इससे व्यक्ति स्वयं को बेहतर समझता है, लोगों को बेहतर समझता है और अवसरों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना कर पाता है।

5. प्रॉपर्टी ऑनलाइन एजुकेशन

प्रॉपर्टी आज बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन इसमें सही जानकारी के बिना लिया गया निर्णय वर्षों की मेहनत की कमाई को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रॉपर्टी एजुकेशन व्यक्ति को खरीद-बिक्री, दस्तावेज, मूल्यांकन, सावधानियाँ और निर्णय की बारीकियां समझने में मदद करती है। सही जानकारी व्यक्ति को बेहतर निर्णय लेने और अपने भविष्य तथा परिवार की संपत्ति को सुरक्षित रखने में सहायता कर सकती है।

इन पाँचों शिक्षाओं का उद्देश्य: इन पाँचों ऑनलाइन शिक्षाओं का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि व्यक्ति को जागरूक, सक्षम, आत्मनिर्भर और समय के साथ चलने योग्य बनाना है। आज की डिजिटल दुनिया में यदि व्यक्ति पत्रकारिता, AI, डिजिटल मार्केटिंग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट और प्रॉपर्टी की बुनियादी समझ विकसित कर ले, तो वह अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग अनेक क्षेत्रों में अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता है।

5. अध्ययन प्रक्रिया, परीक्षा एवं पैकेज शुल्क

ऑनलाइन एजुकेशन अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत शिक्षा **वीडियो, PDF और ऑडियो** के माध्यम से दी जाती है, जिसे आप **90 दिनों** में अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी, कहीं भी सीख सकते हैं। इसके बाद बहुविकल्पीय ऑनलाइन परीक्षा होगी। **30 अंक** प्राप्त करने पर आप सफल होंगे और आपको मार्कशीट एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। **यह मार्कशीट सरकारी मान्यता प्राप्त नहीं होती और न ही यूजीसी से एफिलिएटेड होती है।**

ऑनलाइन एजुकेशन आज के युग की जरूरत है—क्योंकि समय सीमित है, जानकारी लगातार बदल रही है और सीखने के लिए हमेशा कक्षा में उपस्थित रहना जरूरी नहीं। अपने मोबाइल से सीखिए, और जिंदगी में आगे बढ़िए बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलिए।

विवरण	शुल्क एवं शर्तें
पूरे पैकेज की कुल कॉस्ट	₹1,770 (₹1,500 पैकेज + ₹270 GST शामिल)
शुरुआती एजुकेशन पैकेज कॉस्ट	**सिर्फ ₹1,180** (₹1,000 शिक्षा शुल्क + ₹180 GST = ₹1,180) — पाँचों ऑनलाइन शिक्षाओं की शुरुआत सिर्फ ₹1,180 से हो सकती है।
प्रॉफिट शेयरिंग प्रोग्राम राशि	**₹590** (जो व्यक्ति आगे चलकर इस महा अभियान बिज़नेस अपॉर्चुनिटी में भी भाग लेना चाहता है, उसके लिए निर्धारित राशि ₹590 है।)
₹590 की विशेष शर्त	₹590 शुरुआत में नहीं लिया जाता। जब आप इस बिज़नेस अपॉर्चुनिटी से एजुकेशन अवेयरनेस प्रोग्राम को प्रमोट करके प्रॉफिट कमाते हैं, तभी ₹590 देना होगा। यदि आप प्रॉफिट नहीं कमा पाते तो कंपनी की ओर से इस राशि की मांग नहीं की जाएगी। यदि आप केवल शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आपके लिए ₹1,180 ही पर्याप्त है।

यानी पहले शिक्षा, फिर समझ और उसके बाद आपकी इच्छा के अनुसार अवसर। इस महा अभियान का उद्देश्य है— शिक्षा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना, जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित करना।

6. पारंपरिक बिज़नेस की चुनौतियाँ एवं बदलती पारिवारिक जरूरतें

आज बिज़नेस करना आसान नहीं है: आज पारंपरिक बिज़नेस शुरू करने के लिए सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि अनुभव, सही जानकारी, प्रोडक्ट की समझ और बाजार की समझ भी जरूरी है। दुकान या ऑफिस का किराया, बिजली, स्टॉक, कर्मचारियों का खर्च और मार्केटिंग—इन सबके साथ बाजार का उतार-चढ़ाव और बदलता फैशन अलग चुनौती है। लाखों रुपये लगाने के बाद भी लाखों की कमाई की गारंटी नहीं होती। कई बार लाखों का निवेश हजारों के परिणाम तक सीमित रह जाता है।

घटती कमाई, बढ़ती महंगाई और बढ़ती जिम्मेदारियाँ: आज आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता है—कमाई सीमित है, लेकिन खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। ₹10–15 हजार की मासिक आय में घर चलाना, पौष्टिक भोजन, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, कपड़े, आने-जाने का खर्च और परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी करना लगातार कठिन होता जा रहा है। ऐसे में व्यक्ति केवल अपने वर्तमान को संभालने में लगा रहता है। बच्चों की खुशियाँ, अपने शौक, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रम, शिक्षा, संस्कृति तथा जरूरत के समय दूसरों की मदद—यह सब धीरे-धीरे घटती जा रही हैं।

वर्ष / दौर	मासिक आय का स्तर	परिवार की बदलती जरूरतें एवं जीवन-स्तर
1940	₹10 प्रति माह	उस समय की कीमतों और जरूरतों के हिसाब से ₹10 में घर चल जाता था; भोजन, कपड़े और मेहमानों के सम्मान जैसी आवश्यकताएँ पूरी हो जाती थीं।
1960	₹100 प्रति माह	परिवार सामान्य रूप से अपना घर चला लेता था और अतिथियों का सम्मान भी कर पाता था।
1980	₹1,000 प्रति माह	अपनी आवश्यकताएँ पूरी करने के साथ पौष्टिक भोजन और सामाजिक जिम्मेदारियाँ निभा सकता था।
2000	₹10,000 प्रति माह	परिवार सम्मानपूर्वक जीवन जी सकता था और परिवार की अनेक जरूरतें पूरी कर सकता था।
2020	₹1,00,000 प्रति माह	शहरों का विस्तार, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आने-जाने का खर्च और कार की आवश्यकता को देखते हुए ₹1 लाख मासिक आय बेहतर पारिवारिक जीवन के लिए उपयुक्त मानी गई।
2026	₹70,000 – ₹1,00,000+	सामान्य परिवार के लिए ₹70–80 हजार मासिक आय व्यावहारिक शुरुआती लक्ष्य, तथा बड़े शहर या अधिक जिम्मेदारियों वाले परिवार के लिए ₹90 हजार से ₹1 लाख या उससे अधिक की आवश्यकता हो सकती है।

क्या न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड हमारे उस सपने को पूरा कर सकती है जो सपना आज एक लाख से डेढ़ लाख रुपये प्रति माह कमाने का है जिससे एक आम आदमी अपने जीवन को बहुत ही अच्छी व आसान तरीके से जी सके? — तो जवाब है: हाँ।

7. प्रॉफिट शेयरिंग प्रोग्राम एवं मैचिंग इनकम

जब आप इस एजुकेशन प्रोग्राम का हिस्सा बनते हैं तब आपका पद नाम होता है **नॉलेज सीकर**। और जब आप इस अद्भुत अद्वितीय पैकेज को लोगों को शेयर करते हैं और आप एक व्यक्ति को इस प्रोग्राम का हिस्सा बनाते हैं तो आपको **₹100** आता है। आपके द्वारा जितने भी लोग स्पॉन्सर्ड/रेफरल किए जाएंगे उन सभी से आपको ₹100 आएगा—एक स्पॉन्सर किया तो ₹100, दो स्पॉन्सर किया तो ₹200, तीन किया तो ₹300, 5 किया तो ₹500, 10 किया तो ₹1,000। यहाँ आप जब दो लोगों को स्पॉन्सर करते हैं तो आप **एजुकेशन प्रमोटर** बन जाते हैं।

उदाहरण से समझिए: मान लीजिए, आपने 4–5 लोगों को ऑनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम के बारे में बताया और उनमें से 2 लोग (विजय और अजय) ₹1,180 के पैकेज के साथ लेफ्ट और राइट पोजीशन में ज्वाइन होते हैं, तो वे कहलाएंगे **नॉलेज सीकर** और आपको 2 जॉइनिंग पर ₹200 प्रॉफिट शेयरिंग मिलेगा तथा आप कहलाएंगे **एजुकेशन प्रमोटर**।

यदि आपकी टीम में लेफ्ट में विजय और राइट में अजय है और विजय ने भी एक व्यक्ति को जोड़ा है, तो विजय को भी एक जॉइनिंग पर ₹100 आएंगे। कंपनी के प्लान के अनुसार अगर आपकी लेफ्ट में दो लोग और राइट में एक लोग या लेफ्ट में एक लोग और राइट में दो लोग आते हैं तो **1:2 या 2:1** के अनुपात के आधार पर आपको **₹200** प्रॉफिट शेयरिंग इनकम मिलेगी, इसे **मैचिंग इनकम** कहा जाएगा। इसके बाद लेफ्ट में एक जॉइनिंग और राइट में एक जॉइनिंग कराने पर आपकी एक मैचिंग बन जाएगी। आपकी पहली मैचिंग इनकम बनते ही आप **बिज़नेस प्रमोटर** बन जाते हैं।

मैचिंग संख्या	संभावित प्रॉफिट शेयरिंग इनकम	अवधि / कैपिंग उदाहरण
1 मैचिंग	₹200	प्रति मैचिंग दर
4 मैचिंग	₹800	4 × ₹200
10 मैचिंग	₹2,000	10 × ₹200
25 मैचिंग (दैनिक कैपिंग)	**₹5,000 प्रतिदिन**	प्रतिदिन अधिकतम एक दिन की सीमा (कैपिंग)
10 दिन (25 मैचिंग प्रतिदिन)	₹50,000	10 दिन × ₹5,000 (केवल तब, जब हर दिन पूरी 25 मैचिंग हों)
30 दिन (25 मैचिंग प्रतिदिन)	**₹1,50,000 प्रति माह**	**30 दिन × ₹5,000 (केवल तब, जब हर दिन पूरी 25 मैचिंग हों)**

ध्यान रखें: यह केवल उदाहरण है, आय की गारंटी नहीं। वास्तविक आय टीम की गतिविधि, पात्र मैचिंग, कंपनी की लिखित योजना व शर्तों पर निर्भर करेगी।

8. ट्राई-पॉट (Tri-Pot) मॉडल — आय को तीन गुना करने का उदाहरण

प्रॉफिट शेयरिंग प्लान के आधार पर एक पोजीशन पर आप ₹5,000 प्रतिदिन से अधिक नहीं कमा सकते हैं। अगर अधिक इनकम चाहते हैं, तो **ट्राइपॉड (Tri-Pot)** से ज्वाइन करना होगा, यानी तीन प्लेसमेंट अपने परिवार के नाम लेनी होगी (मुख्य पोजीशन, लेफ्ट पोजीशन और राइट पोजीशन)।

उदाहरण के लिए, यदि एक दिन में आपकी मुख्य पोजीशन पर 25 मैचिंग से ₹5,000 बनते हैं (अर्थात लेफ्ट में 25 और राइट में 25 जॉइनिंग), तो लेफ्ट पोजीशन वाले व्यक्ति की भी 12 मैचिंग बनेगी (12 × ₹200 = ₹2,400) और राइट पोजीशन वाले की भी 12 मैचिंग बनेगी (12 × ₹200 = ₹2,400)। यदि यह दोनों पोजीशन आपकी फैमिली की हैं, तो ₹5,000 + ₹2,400 + ₹2,400 = **₹9,800** एक दिन में परिवार में आएंगे। और यदि लेफ्ट व राइट पोजीशन की भी पूरी कैपिंग लग जाती है तो:

पोजीशन विवरण	दैनिक कैपिंग उदाहरण	30 दिन का गणितीय उदाहरण
मुख्य पोजीशन	₹5,000 प्रतिदिन	₹1,50,000
लेफ्ट पोजीशन	₹5,000 प्रतिदिन	₹1,50,000
राइट पोजीशन	₹5,000 प्रतिदिन	₹1,50,000
कुल संभावित पारिवारिक आय	**₹15,000 प्रतिदिन**	**₹4,50,000 प्रति माह**

यह केवल समझाने के लिए उदाहरण है। वास्तविक आय जॉइनिंग/मैचिंग, प्लान की शर्तों और लागू नियमों पर निर्भर करेगी। कोई निश्चित या गारंटीड आय नहीं है।

9. डायरेक्ट स्पॉन्सर्ड प्रॉफिट एवं लेवल प्रॉफिट इनकम

डायरेक्ट स्पॉन्सर्ड प्रॉफिट इनकम: इस प्लान में आपकी डायरेक्ट स्पॉन्सर की गई टीम की मैचिंग इनकम पर **5% प्रॉफिट** मिलता है। उदाहरण: यदि आपके 10 डायरेक्ट स्पॉन्सर प्रतिदिन ₹5,000 की मैचिंग इनकम करते हैं, तो प्रत्येक की इनकम का 5% यानी ₹250, और 10 लोगों से कुल **₹2,500 प्रतिदिन** का स्पॉन्सर्ड प्रॉफिट बन सकता है—प्लान के नियमों और पात्रता के अनुसार।

लेवल प्रॉफिट इनकम: आपके द्वारा सीधे जोड़ा गया व्यक्ति पहला लेवल होता है, उसके द्वारा जोड़ा गया व्यक्ति दूसरा लेवल, और इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए 10 लेवल तक नेटवर्क बनता है। इसके बाद **11वें लेवल से 15वें लेवल तक**, प्लान के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की जॉइनिंग पर **₹10 लेवल प्रॉफिट** मिलने का उदाहरण नीचे दिया गया है:

लेवल	उदाहरण में व्यक्ति	दर प्रति व्यक्ति	संभावित आय (उदाहरण)
11वां लेवल	1,000	× ₹10	₹10,000
12वां लेवल	2,000	× ₹10	₹20,000
13वां लेवल	3,000	× ₹10	₹30,000
14वां लेवल	4,000	× ₹10	₹40,000
15वां लेवल	5,000	× ₹10	₹50,000
कुल योग	**15,000 व्यक्ति**	**₹10 प्रति व्यक्ति**	**₹1,50,000**

आसान गणित: 1 व्यक्ति → ₹10 | 1,000 व्यक्ति → ₹10,000 | 10,000 व्यक्ति → ₹1,00,000 | 1,00,000 व्यक्ति → ₹10,00,000। (यह कोई गारंटीड इनकम नहीं है, बल्कि प्लान को समझाने के लिए दिया गया संभावित उदाहरण है।)

10. डायरेक्ट सेल के आधार पर टारगेट एवं रिवॉर्ड

क्र. सं.	डायरेक्ट सेल का टारगेट	टारगेट पूरा करने की समय-सीमा	पद नाम
1	5 डायरेक्ट सेल	15 दिन	**इंटरप्रेन्योर**
2	10 डायरेक्ट सेल	30 दिन	**सोशल मीडिया प्रमोटर**
3	25 डायरेक्ट सेल	45 दिन	**डिजिटल कैंपेनर**
4	50 डायरेक्ट सेल	60 दिन	**लीडर**
5	75 डायरेक्ट सेल	75 दिन	**इनफ्लुएंसर**
6	100 डायरेक्ट सेल	90 दिन	**ब्रांड आइकन ऑफ द कंपनी**

टारगेट के आधार पर मिलने वाले रिवॉर्ड

क्र. सं.	प्रतिदिन की राशि	रिवॉर्ड की अवधि	रिवॉर्ड मेटा (Meta) पर प्रमोशन
1	₹100 प्रतिदिन	5 दिन	आपका नाम व मोबाइल नंबर डालकर प्रमोशन
2	₹200 प्रतिदिन	5 दिन	आपका नाम व मोबाइल नंबर डालकर प्रमोशन
3	₹200 प्रतिदिन	15 दिन	आपका नाम व मोबाइल नंबर डालकर प्रमोशन
4	₹200 प्रतिदिन	30 दिन	आपका नाम व मोबाइल नंबर डालकर प्रमोशन
5	₹200 प्रतिदिन	45 दिन	आपका नाम व मोबाइल नंबर डालकर प्रमोशन
6	₹200 प्रतिदिन	60 दिन	आपका नाम व मोबाइल नंबर डालकर प्रमोशन

11. लॉस ऑफ डिले (Loss of Delay): देरी करने का बड़ा नुकसान

> **"समय किसी का इंतजार नहीं करता, और जो समय पर निर्णय नहीं लेते, अवसर उनसे आगे निकल जाते हैं।"**

जब आप किसी को **न्यूज़ इंटेलिजेंस डिजिटल एजुकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड** के डिजिटल अवेयरनेस व प्रॉफिट शेयरिंग प्रोग्राम के बारे में बताते हैं और वह निर्णय लेने में देरी करता है, तो उसे ये बड़े नुकसान उठाने पड़ते हैं:

1. सीनियरिटी (Top Position) का नुकसान

- **आज की निर्णय शक्ति = कल की टॉप पोजीशन:** यह एक ग्रोइंग (बढ़ता हुआ) कम्युनिटी मॉडल है। जो व्यक्ति आज निर्णय लेता है, वह सीनियर पोजीशन पर आता है।
- यदि आप सिर्फ 1 दिन या 1 घंटा देरी करते हैं, तो आपके बाद आने वाले दर्जनों लोग जो तुरंत निर्णय लेंगे, वे आपसे ऊपर चले जाएंगे।
- **नुकसान:** जो लोग आपके नीचे (टीम व प्रॉफिट शेयरिंग में) आ सकते थे, आप उनके नीचे चले जाएंगे। केवल विचार करते रहने से आप अपनी सीनियरिटी हमेशा के लिए खो देते हैं।

2. ओवरलैपिंग और प्रॉफिट शेयरिंग का नुकसान

- कंपनी का उद्देश्य लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और डिजिटल दौर की नई जानकारी व अवसरों से जोड़ना है। जैसे-जैसे डिजिटल अवेयरनेस का दायरा बढ़ेगा, संस्था का प्रॉफिट शेयरिंग वॉल्यूम भी तेजी से आगे बढ़ेगा।
- **नुकसान:** देरी करने का सीधा अर्थ है कि आप उस दैनिक और मासिक इनकम व बेनिफिट्स को खो रहे हैं, जो आपको आज ही निर्णय लेने पर मिलनी शुरू हो सकती थी।

3. आपके परिचितों के किसी और के साथ जाने का डर

- आप सोचते हैं कि "मैं बाद में सोचकर बताऊंगा", लेकिन आपके आसपास के दोस्त, रिश्तेदार या सहकर्मी (चाहे वे छात्र हों, अधिवक्ता, पुलिस, शिक्षक, व्यापारी या 60 वर्ष के बुजुर्ग) रुकने वाले नहीं हैं।
- **नुकसान:** कल जब आप मन बनाएंगे, तब तक संभव है कि आपके जानने वाले किसी और के माध्यम से इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके होंगे। जो नेटवर्क आपका बन सकता था, वह अवसर हमेशा के लिए हाथ से निकल जाएगा।

> **• जहाँ सफलता और आय की कोई गारंटी नहीं है, बल्कि यह स्वयं के प्रयास और कंपनी के नियमों पर आधारित अवसर है।**
>
> **• किसी भी पद पर वेतन नहीं दिया जाता है।**
>
> **• कंपनी द्वारा दिए गए सर्टिफिकेट और मार्कशीट को सरकारी मान्यता प्राप्त पत्र न समझें।**